डा0 भीमराव अँम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

वर्ष 2018 का दीक्षान्त समारोह

विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर के औषधि उद्यान प्रांगण में

कार्यक्रम

1. कोर्ट, कार्य-परिषद् और विद्यापरिषद् के सदस्य 29 अक्टूबर 2018 को प्रात:10:30 बजे विश्वविद्यालय के अतिथि-गृह, खंदारी परिसर में एकत्र होंगे।
2. निर्धारित वस्त्र तथा उत्तरीय पहन कर कार्य-परिषद्, कोर्ट तथा विद्यापरिषद् के सदस्य अतिथि-गृह के प्रवेश द्वार पर शोभा-यात्रा बनाने के लिये एकत्र होंगे।
3. शोभा-यात्रा दो-दो की पंक्तियों में नीचे लिखे क्रम में दीक्षान्त वितान की ओर प्रस्थान करेगी :

कुलसचिव
विद्या परिषद् के सदस्य
कोर्ट के सदस्य
कार्य परिषद् के सदस्य
संकायो के अधिष्ठाता
कुलपति
ए. डी. सी. प्रथम तथा ए. डी. सी. द्वितीय
मुख्य अतिथि, कुलाधिपति
कुलाधिपति-सचिव

4. कुलाधिपति, कुलपति, मुख्य अतिथि तथा कार्य परिषद् के सदस्य मंच पर अपने आसन ग्रहण करेंगे और विद्या परिषद् तथा कोर्ट के सदस्य मंच के सामने पार्श्वो में नियत स्थानों पर अपने आसन ग्रहण करेंगे।
सम्मानोपाधि ग्रहण करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों के लिये भी मंच पर स्थान सुरक्षित रहेंगे।
5. वितान में शोभा-यात्रा के प्रवेश करने पर प्रत्याशी खड़े हो जायेंगे और तब तक खड़े रहेंगे जब तक कि मुख्य अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति तथा कोर्ट, कार्य परिषद् और विद्यापरिषद् के सदस्य अपने-अपने आसन ग्रहण न कर लें ।
6. 'वन्दे मातरम्' का गान होगा, समस्त उपस्थितजन खड़े रहेंगे।

7. कुलाधिपति की अनुमति से कुलपति दीक्षान्त समारोह के प्रारम्भ होने की घोषणा इस प्रकार करेंगे :-

"मैं कुलाधिपति की अनुमति से दीक्षान्त समारोह
का उद्घाटन घोषित करता हूँ ।"

यदि कुलाधिपति सम्मिलित नहीं होते हैं तो, कुलपति दीक्षान्त समारोह के प्रारम्भ होने की घोषणा इस प्रकार करेंगे :-

"मैं दीक्षान्त समारोह का उद्घाटन घोषित करता हूँ।"

8. इसके पश्चात् कुलाधिपति द्वारा सम्मानोपाधियाँ भेंट की जायेंगी।
9. कुलपति मुख्य अतिथि का परिचय देंगे और तत्पश्चात् कुलाधिपति उनसे दीक्षान्त भाषण देने के लिये प्रार्थना करेंगे।
10. तद्नन्तर दीक्षान्त भाषण दिया जायेगा।
11. इसके पश्चात् कुलपति मुख्य अतिथि को उनके भाषण के लिये धन्यवाद देंगे।
12. तदनन्तर कुलपति कहेंगे :-

"डॉक्टरेट उपाधियों के लिये प्रत्याशियों को प्रस्तुत किया जाय।"

13. डी. लिट् उपाधि के प्रत्याशी व्यक्तिशः कुलपति के समक्ष कला संकाय के अधिष्ठाता द्वारा अग्रलिखित शब्दों में प्रस्तुत किये जायेंगे :-

"श्रीमन् ! मैं आपके समक्ष डॉक्टर ऑफ लैटर्स की उपाधि के लिये डा. .... को प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ जिनकी परीक्षा ले ली गयी है और जो .... में डॉक्टर ऑफ लैटर्स की उपाधि के लिये योग्य प्रमाणित हो चुके हैं। मैं प्रार्थना करता/करती हूँ कि ये डॉक्टर ऑफ लैटर्स उपाधि से अलंकृत किये जायें।"

तदनन्तर कुलपति डी. लिट् उपाधियों के लिये प्रत्याशियों को निम्नलिखित शब्दों से अलंकृत करेंगे :-

"डा. भीमराव अंम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति पद से प्राप्त अधिकार से मैं डॉ. .... को इस विश्वविद्यालय की डॉक्टर ऑफ लैटर्स की उपाधि से अलंकृत करता हूँ और आप पर यह पवित्र दायित्व सौंपता हूँ कि आप आजीवन इस उपाधि के अनुरूप सुयोग्य सिद्ध हों।"

14. डी.एस.सी. उपाधि के प्रत्याशी व्यक्तिशः कुलपति के समक्ष विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता द्वारा अग्रलिखित शब्दों में प्रस्तुत किये जायेंगे :-

शोभा यात्रा हेतु

परीक्षा ले ली गयी है और जो मास्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि के लिये योग्य प्रमाणित हो चुके हैं।"

1-　　　　2-　　　　3-

"मैं प्रार्थना करता/करती हूँ कि ये मास्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से अलंकृत किये जायें।"

तदनन्तर कुलपति एम. फिल. उपाधियों के लिये समस्त अभ्यर्थियों को अग्रलिखित शब्दों में अलंकृत करेंगे :-

"डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति के पद से प्राप्त अधिकार से मैं आपको इस विश्वविद्यालय की मास्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से अलंकृत करता हूँ और आप पर यह पवित्र दायित्व सौंपता हूँ कि आप आजीवन इस उपाधि के अनुरूप सुयोग्य सिद्ध हों।"

16. तदनन्तर कुलाधिपति द्वारा पदको एंव चल बैजयन्ती का वितरण किया जायेगा।

17. तदनन्तर कुलाधिपति की अनुमति से, यदि वह उपस्थित हों, अन्यथा स्वयं कुलपति दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा इस प्रकार करेंगे :-

"मैं दीक्षान्त समारोह का समापन घोषित करता हूँ।"

18. राष्ट्रगान (जन-गण-मन) का गायन होगा।

19. तदनन्तर शोभा-यात्रा दीक्षान्त वितान से निम्न प्रकार से पूर्ववर्ती से विपरीत क्रम में बाहर जायेगी, जबकि उपाधि-प्राप्तकर्ता तथा अतिथिगण खड़े रहेंगे :-

कुलाधिपति-सचिव
मुख्य अतिथि, कुलाधिपति
ए. डी. सी. प्रथम तथा ए. डी. सी. द्वितीय
कुलपति
संकायो के अधिष्ठाता
कार्यपरिषद् के सदस्य
कोर्ट के सदस्य
विद्या परिषद् के सदस्य
कुलसचिव

सीनेंट हाउस
आगरा

(के0एन0सिंह)
कुलसचिव

"श्रीमन् ! मैं आपके समक्ष डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि के लिये डा. .... को प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ जिनकी परीक्षा ले ली गयी है और जो .... में डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि के लिये योग्य प्रमाणित हो चुके हैं। मैं प्रार्थना करता/करती हूँ कि ये डॉक्टर ऑफ साइंस उपाधि से अलंकृत किये जायें।"

तदनन्तर कुलपति डी.एस.सी. उपाधियों के लिये प्रत्याशियों को निम्नलिखित शब्दों से अलंकृत करेंगे :-

"डा. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति पद से प्राप्त अधिकार से मैं डॉ. .... को इस विश्वविद्यालय की डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से अलंकृत करता हूँ और आप पर यह पवित्र दायित्व सौंपता हूँ कि आप आजीवन इस उपाधि के अनुरूप सुयोग्य सिद्ध हों।"

15. पी-एच. डी. उपाधियों के लिये अभ्यर्थी सम्बन्धित संकाय के अधिष्ठता द्वारा कुलपति के समक्ष निम्न रूप में प्रस्तुत किये जायेंगे :-

"श्रीमन्, मैं आपके समक्ष .... संकाय से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि के लिये निम्नलिखित अभ्यर्थियों को प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ, जिनकी परीक्षा ले ली गयी है और जो डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि के लिये योग्य प्रमाणित हो चुके है।" :

1-अंग्रेजी　　　　2- संस्कृत　　　　3- फारसी

"मैं प्रार्थना करता/करती हूँ कि ये डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से अलंकृत किये जायें।"

तदनन्तर कुलपति पी-एच. डी. उपाधियों के लिये समस्त अभ्यर्थियों को निम्नलिखित शब्दों में अलंकृत करेंगे :-

"डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति के पद से प्राप्त अधिकार से मैं आपको इस विश्वविद्यालय की डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से अलंकृत करता हूँ और आप पर यह पवित्र दायित्व सौंपता हूँ कि आप आजीवन इस उपाधि के अनुरूप सुयोग्य सिद्ध हों।"

एम. फिल. उपाधियों के लिये अभ्यर्थी सम्बन्धित संकाय के अधिष्ठाता द्वारा कुलपति के समक्ष निम्न रूप में प्रस्तुत किये जायेंगे :

"श्रीमन्, मैं आपके समक्ष .... संकाय से मास्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि के लिये निम्नलिखित अभ्यर्थियों को प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ, जिनकी